Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2787 [Total No. of Pages : 2

[4702]Ext. - 21
M.A. (Part - I) (External)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 1 सामान्य स्तर
प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) खड़ी बोली हिंदी के विकास में अमीर खुसरो के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

''पद्मावत' में प्रकृती के विविध रूपों का चित्रण हुआ है ।'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) ''सूरदास के भ्रमरगीत में 'योग बनाम भक्ति' का सुंदर चित्रण हुआ है ।'' युक्तायुक्त चर्चा कीजिए ।

अथवा

बिहारी के शृंगार वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) भूषण कालीन परिस्थितियों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) 'पदमावत' की पदमावती

ब) सूर के उद्धव;

क) बिहारी की भाषा;

ड) भूषण के काव्य में रस योजना ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए :

अ) अमीर खुसरो की मुकरियों में लोकरंजक भाव स्पष्ट कीजिए ।

ब) 'पद्मावत' में व्यक्त प्रेमभावना पर प्रकाश डालिए ।

क) 'भ्रमरगीत एक उपालंभ काव्य है ।' स्पष्ट कीजिए

ड) भूषण के 'रायगढ़ वर्णन' पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) श्याम बरन और दाँत अनेक ।
लचकत जैसे नारी ।।
दोनो हाथ से खुसरो खींचे ।
और कहे तू आरी ।।

अथवा

लागेउ माँह परै अब पाला । बिरहा कास भएउ जड काला ।।
पहल पहल तन रूई जो भाँपै । हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै ।।
आइ सूर होइ तपु रे नाहाँ । तेहि बिनु जाड़ न छूटै माहाँ ।।
एहि मास उपजै रस मूलू । तूँ सो भँवर मोर जोबन फूलू ।।
नैन चुवहिं जस माँहुट नीरू । तेहि जल अंग लाग सर चीरू ।।

आ) हरि काहे के अंतर्यामी ?
जौ हरि मिलत नहीं यहि औसर, अवधि बतावत लामी ।।
अपनी चोप जाम उठि बैठे और निरस बेकामी ।
सो कहँ पीर पराइ जानै, जौ हरि गरूडागामी ।।
आई उधरी प्रीति कसई सी जैसे खाटा आमी ।
सूर इने पर अनख मरति हैं, ऊधो पंवत मामी ।।

अथवा

गरूड को दावा सदा नाग के समूह पर,
दावा नाग जूह पर सिंह सिरताज को ।
दावा पुरहूत को पहारन के कुल पर,
पच्छिन के गोस पर दावा सदा बाज को ।।
भूषन अखंड नवखंड महिमंडल मैं,
तय पर दावा रवि – किरन समाज को ।
पूरब पछाह देस दच्छिन ते उत्तर सौं,
जहाँ पातसाही तहाँ दावा सिवराज को ।।

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2788 [Total No. of Pages : 2

[4702]Ext - 22

M.A. (Part - I) (External)

हिंदी (HINDI)

प्रश्नपत्र – 2 विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

2) सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी कहानी विधा के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

कहानी विधा के तत्वों के आधार पर 'पुरस्कार' और 'मुंबई कांड' कहानियों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की मूलसंवेदना पर प्रकाश डालिए । **[20]**

अथवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) 'अंभग गाथा' नाटक की शिल्पगत संरचना का परिचय दीजिए । **[20]**

अथवा

हिंदी नाटक विधा के विकास को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) 'बुद्धिजीवी' और 'ताज' निबंधों की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

हिंदी निबंध विधा के विकास को स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **[10]**

अ) ''दो महीने की घटना आप भूल गये । याद है न कि बीस साल की एक लड़की को दिन – दहाडे, चौक में एक लड़के ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर चाकू से गोद डाला था...''

अथवा

''उसकी नई चप्पलें बिलकुल धिस गई हैं और दो बार मोची से वह उनमें सिलाई करवा चुका है । उसके अंदर जैसे कोई दूसरा उसे चलाए चला जाता है ..... ''

आ) ''तो सोचो । तुम्हारे चाहने, न चाहने से बँधी तुम्हारी बाँधी नहीं हूँ, गले पड़ी हुई नहीं हूँ कि फालतू मान लो । मेरा कसूर बताओ?'' **[10]**

अथवा

''दुसरी ओर वैज्ञानिकों ने हमें यह भी बता दिया है कि रक्तचाप, आन्तरिक जख्म और मधुमेह आदि रोग सभी तनाव के संकट के कारण उत्पन्न अमिट चिह्न हैं यही नहिं हृदय रोग, कैंसर, नशीले पदार्थों का सेवन, आत्महत्या, मारपीट तथा आतंक और विभिन्न प्रकार की रहस्यमयी महामारी इसी का परिणाम है ।''

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2789 [Total No. of Pages : 1

[4702]Ext. - 23
M.A. (Part - I) External
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र – 3 विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) भरतमुनि के रस सूत्र का उल्लेख करते हुए रस के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए वक्रोक्ति विषयक कुंतक के विचारों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) अलंकार सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए काव्य में अलंकारों का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

स्फोट सिद्धांत का परिचय देते हुए ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद विशद कीजिए ।

प्रश्न 3) प्लेटो के अनुकरण विषयक विचारों का स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) रिचर्डस् द्वारा दी गई काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

अ) रीति संप्रदाय

ब) औचित्य सिद्धांत का महत्व

क) प्रतीकवाद

ड) विरेचन सिद्धांत ।

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2790 [Total No. of Pages : 8

[4702]Ext. - 24
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर वैकल्पिक – अ,आ,इ,ई
विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य
(2013 Pattern)
महत्वपूर्ण सूचना – निम्नलिखित में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी के निर्गुण काव्यधारा के विकास में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

'कबीर का साहित्य उनके सामाजिक चिंतन का परिणाम है' – कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) कबीर ने अपने काव्य में मानवता धर्म को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया है – कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

कबीर के लोकचिंतन की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

प्रश्न 3) 'रामचरितमानस' के आधार पर तुलसी की समन्वय साधना को स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

'मानस के सभी पात्र हमारे सामने कोई न कोई आदर्श लेकर उपस्थित होते हैं ।' – स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) विनयपत्रिका में तुलसी के दैन्यभाव की अभिव्यक्ति मिलती है – स्पष्ट कीजिए । **[20]**

अथवा

'विनयपत्रिका' के प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **[20]**

क) ''ना गुरु मिल्या न सिष, भया लालच खेल्या डाव
दुन्यू बुडे धार में, चढ़ि पाथर की नाव।।''

अथवा

''मेंरा मुझमें कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा ।
तेरा तुझको सौंपता, क्या लागै है मेरा ।।''

ख) ''मंगल – मुरति मारूत –नन्दन । सकल अंमगल – मूल – निकन्दन ।।१।।
पवनतनय संतन – हितकरी । हृदय बिराजत अवध बिहारी ।।२।।
मातु – पिता, गुरू गणपति, सारद । सिवा – समेत संभु, सुक नारद ।।३।।
धरण बंदि बिनवौ सब काहू । देहु रामपद – नेह – मिबाहू ।।४।।

अथवा

''रिधि सिधि नदो सुहाई, उमगि अवध अंबुधि कहुँ आई ।।
मनिगन पुर–नर–नारि–सुजाती, सुचि अमोल सुंदर सबभाँती '' ।

Total No. of Questions : 5]

P2790

[4702]Ext. - 24
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
(2013 Pattern)
प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक
आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी भाषा साहित्य

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'गोदान' की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

उपन्यास की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उपन्यास के तत्वों का परिचय दीजिये ।

प्रश्न 2) ''परिशिष्ट' उपन्यास दलित जीवन की व्यथा – कथा है ।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) आधुनिक यात्रा साहित्य का परिचय दीजिए ।

अथवा

डॉ. श्याम सिंह शशि के यात्रा साहित्य में सूर्य – मंदिरों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, गणितीय परिचय मिलता है – स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी यात्रा साहित्य में अन्य गद्य विधाओं का समावेश हुआ है – पठित यात्रा साहित्य के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'प्रकृति–चित्रण' यात्रा साहित्य का एक अभिन्न, अंग है –' कथन के परिप्रेक्ष्य में 'चीड़ो पर चाँदनी' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ – व्याख्या कीजिए ।

क) ''सालभर तक मैंने इस गाँव में रहकर यह जान लिया है कि यहाँ किसी भले आदमी का रहना मुश्किल है । यह एक जीता – जागता नरक है, जिसमें वही आता है, जिसके पुण्य समाप्त हो जाते हैं ।''

अथवा

''बेटा, तू ना जा, तेरा मुँह देख–देखकर ही तो दिन काट रही हूँ । बहुत बड़ा होकर भी आदमी बेगाना हो जाता है । एसा बड़ा हुए से क्या कि आदमी अपनों का भी न रहे । बस इस बात का ड़र लगता है ''।

ख) ''भिक्षुओं की पढ़ाई की गति बहुत मंद हुआ करती है । वे समझते हैं, जल्दी क्या है, सारा जीवन तो पढ़ने के लिये है ही । मुझ को इसका अफसोस जरूर होता था, कि वह मेरे समय का पूरा उपयोग नहीं ले रहे हैं ।''

अथवा

''झील का रंग आकाश के रंग से मिल जाता है .... मानो आस–पास की पहाड़ियों के बीच आकाश का ही एक टुकडा तारों समेत नीचे आकर औंधा पड़ गया है ।''

Total No. of Questions : 5]

P2790

[4702]Ext. - 24
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
(2013 Pattern)
प्रश्नपत्र – 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक
इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

2) सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी नाट्य साहित्य के विकास में सुरेंद्र वर्मा का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पठित नाटकों के आधार पर सुरेंद्र वर्मा की नाट्य–कला का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) 'आठवाँ सर्ग' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'रति का कंगन' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3) 'दिनकर राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं' – पठित रचनाओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'दिनकर के काव्य में आधुनिकता बोध के दर्शन होते हैं' – कथन का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) 'हुंकार' की कविताओं में क्रांति का प्रमुख स्वर गूँजता है' – कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'पुरुखा और उर्वशी के आख्यान में दिनकर ने पुरूषार्थ के काम–पक्ष का महत्व प्रतिपादन किया है' – कथन का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) सब के पास अपने – अपने खंडित स्वप्न होते हैं । क्या यह नहीं हो सकता कि कालिदास ने भी मुझ में अपना वही स्वप्न पाया हो, जिसे उन्होंने कभी कामना भरी आँखो से देखा था ।

अथवा

मेरा कोई मित्र नहीं, कोई अंतरंग नहीं । राजसिंहासन एक अदृश्य दीवार है, जिसे लाँघ कर न मैं उस ओर जा सकता हूँ; न उस ओर से कोई इस ओर आ सकता है ।

ख) क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो ।
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो?

अथवा

वह सुनो सत्य चिल्लाता है,
ले मेरा नाम अँधेरे में,
करूणा पुकारती है मुझको,
आबद्ध घृणा के घेरे में ।

Total No. of Questions : 5]

P2790

[4702]Ext - 24
M.A. (Part - I) (External)
HINDI (हिंदी)
(2013 Pattern)
प्रश्नपत्र – 4
ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा दलित साहित्य

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिए ।

अथवा

साहित्यिक तथा कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ और महत्व विशद कीजिए.

प्रश्न 2) समाचार पत्र के लिए प्रयुक्त होने वाले लेखन के प्रकार स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

शिक्षा क्षेत्र में कम्प्यूटर के योगदान पर विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) रेडियो लेखन के सिद्धांत स्पष्ट कर रेडियो वार्ता लेखन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'जूठन' आत्मकथा के आधार पर ओमप्रकाश वाल्मीकि के जीवन संघर्ष को उद्घाटित कीजिए ।

प्रश्न 4) 'श्रेष्ठ दलित कहानियों के आधार पर दलित कहानीकारों की भाषा पर प्रकाश डालिए

अथवा

'गूँगा नहीं था मैं' में व्यक्त कवि की विद्रोही चेतना का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''देख बहू, काम से नफरत ना करें, यह तो म्हारा खानदानी काम है ...., यदि यह काम हम नहीं करेंगे तो भला कैसे गुजारा होगा म्हारा ।''

अथवा

''अरे मुन्ना, अदालत जाने की इच्छा है तो समय आने पर वह भी दिखा देंगे । सब्र करो । अदालत में तो पूरी उम्र केस लड़ते-लडते मर जाओगे ।''

ख) ''हेडमास्टर को देखकर मेरी रूह काँप जाती थी, लगता जैसे सामने से मास्टर नहीं, कोई जंगली सूअर थूथनी उठाए चिंचियाता चला आ रहा है ।''

अथवा

''समाज को प्रगतिशील बनाना है,
जाति के जहर को मिटाना है,
तो इन तथाकथित धर्म-ग्रंथों को आग लगानी होगी,
और नकारना होगा, वर्णित उस ईश्वर को ।''

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3365 [Total No. of Pages : 2

[4702]Ext. - 25
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य
(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) कामायनी – जयशंकर प्रसाद
2) गोपा गौतम – जगदीश गुप्त
3) विशेष कवि कुँवर नारायण – संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
4) नई कविता – संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ.अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

सूचनाएँ :–

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) 'कामायनी' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'कामायनी' के आधार पर मनु के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) खंडकाव्य की दृष्टि से 'गोपा गौतम' की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गोपा गौतम' में व्यक्त आधुनिक बोध को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) लीलाधर जगूडी की कविताओं में व्यक्त सामाजिक समस्याओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'दामोदर मोरे की कविताओं में यथार्थ और कल्पना का संगम पाया जाता है' – सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) हम अन्य न और कुटुंबी हम केवल एक हमीं हैं,
तुम सब मेरे अवयव हो जिसमें कुछ नहीं कमी है ।
शमित न यहाँ है कोई तमित पापी न यहाँ है,
जीवन–वसुधा समतल है समरस है जो कि जहाँ है ।

अथवा

मैं अभागिनी
अब तक हूँ जैसी कि वैसी
सब सुख हैं
परंतु, जाने क्यों
है विधी की विडंबना ऐसी
किस अज्ञात शक्ति से शापित
मेरा जीवन?

ख) धृतराष्ट्र अंधे ।
विदुर – नीति हुई फेल ।
धर्मराज धूर्तराज दोनों जुआड़ी
पासे खनखनाते हुए
राजनीति में शकुनी का प्रवेश ।

अथवा

रास्ते जाते हैं मंडियों, आमोदगृहों
और बियाबानों से होकर
सागरों – पहाड़ो को लाँघकर ।
रास्ते जो घरों तक नहीं पहुँचते
वे खो जाते हैं ।
लोग उन्हें भूल जाते हैं ।

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3366 [Total No. of Pages : 2

[4702] - Ext. - 26
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र : 6 (बहिस्थ) विशेष स्तर
भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा के अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वनिम की परिभाषा देते हुए स्वनिम के स्वरूप और विशेषताओं को विशद कीजिए।

प्रश्न 2) अर्थ परिवर्तन के कारणों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) मध्यकालीन अपभ्रंश भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

डॉ. चटर्जी और हरदेव बाहरी द्वारा किया गया आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 4) देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी शब्द निर्माण में समासों का महत्व सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए –

क) भाषाविज्ञान और साहित्य,

ख) रूपिम का स्वरूप,

ग) राजभाषा के रूप में हिंदी,

घ) पूर्वी हिंदी और पश्चिमी हिंदी की तुलना।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3367 [Total No. of Pages : 2

[4702] - Ext. - 27
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र : 7 (बहिस्थ) : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आदिकालीन परिस्थितियों का तत्कालीन साहित्य पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा। सोदाहरण विशद कीजिए।

अथवा

सिद्ध साहित्य एवं नाथ साहित्य का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) भक्ति आंदोलन के अखिल भारतीय स्वरूप के अंत: प्रादेशिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी संत काव्य का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) रीतिसिद्ध काव्य की विषयगत एवं शैलीगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिकाल के श्रृंगारेतर साहित्य का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) भारतेंदु पूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए –

क) आदिकाल का नामकरण,

ख) रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि,

ग) रीतिमुक्त काव्य,

घ) हिंदी नाटक और रंगमंच का उद्‌भव।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3368 [Total No. of Pages : 4

[4702] - Ext. - 28
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)
(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी आलोचना में डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ विशद कीजिए।

प्रश्न 2) डॉ. नगेंद्र की आलोचना का स्वरूप देकर उसकी विशेषताएँ समझाइए।

अथवा

आलोचक के गुणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) अनुसंधान की प्रक्रिया में विषय–चयन, सामग्री संकलन एवं विश्लेषण विवेचन के महत्व को समझाइए।

अथवा

अनुसंधान कर्ता एवं शोध–निर्देशक के गुणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) अनुसंधान के प्रकार विशद कीजिए।

अथवा

अनुसंधान के घटकों पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए –

क) सर्जनशील साहित्य।

ख) डॉ. नामवर सिंह का योगदान।

ग) अनुसंधान के उद्देश्य।

घ) साहित्यिक–साहित्येतर अनुसंधान : साम्य–वैषम्य।

Total No. of Questions : 5]

P3368

[4702] - Ext. - 28
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर – वैकल्पिक (बहिस्थ)
(आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद का महत्व स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति निर्धारित कीजिए।

अथवा

अनुवाद कार्य में सहायक साधनों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) प्रक्रिया और विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद का वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान से सहसंबंध उदघाटित कीजिए।

प्रश्न 3) जनसंचार माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

प्रिंट पत्रकारिता के संदर्भ में मुद्रणकला का महत्व विशद कीजिए।

प्रश्न 4) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता को स्पष्ट करते हुए महिला स्तंभ–लेखन का परिचय कीजिए।

अथवा

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए –

क) अनुवाद कला है या विज्ञान?

ख) मूल भाषा और लक्ष्य भाषा।

ग) समाचार के विभिन्न स्रोत।

घ) सूचनाधिकार एवं पत्रकारिता।

Total No. of Questions : 5]

P3368

[4702] - Ext. - 28

M.A. (Part - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर – वैकल्पिक (बहिस्थ)

(इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य

भारतीय साहित्य – पाठ्यपुस्तकें : 1) बारोमास – सदानंद देशमुख
अनु. – डॉ. दामोदर खडसे
2) नागमंडल – गिरीश कर्नाड
अनु. बी. आर. नारायण
3) खानाबदोश – अजित कौर
अनु. के. ए. जमुना

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डालिए।
अथवा
लोकसाहित्य के संकलन की पद्धतियाँ विशद कीजिए।

प्रश्न 2) लोकगीत की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
अथवा
लोकगाथा की परिभाषा देते हुए हीर–रांझा का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता प्रतिपादित कीजिए।
अथवा
'बारोमास' में चित्रित भारतीय किसानों की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) 'नागमंडल' में व्यक्त भारतीय मूल्यों का विवेचन कीजिए।
अथवा
'खानावदोश' की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए –
क) लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य : साम्य – भेद।
ख) गोंधळ।
ग) 'नागमंडल' – शीर्षक की सार्थकता।
घ) 'बारोमास' का शिल्प – विधान।